News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-129
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
दिमाग ठंडा हो तो फैसले गलत नहीं होते,और भाषा मीठी हो तो अपने दूर नहीं होते!

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, सोमवार 12 अगस्त 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

दो अन्य की तलाश में जुटी पुलिस

बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा के सॉल्वर गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा के सॉल्वर गैंग की जांच में मढ़ौरा और नगरा थाना क्षेत्र से तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष के दिशा निर्देश में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डॉ राजकिशोर सिंह के नेतृत्व में एसआईटी की टीम ने नगरा थाना क्षेत्र के बन्नी गांव से दो युवक और मढ़ौरा थाना क्षेत्र के बहुआरापट्टी गांव से एक युवक को हिरासत लेने के बाद पूछताछ कर जेल भेज दिया है। एक दिन पूर्व खैरा थाना क्षेत्र के धोबवल गांव से बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा के सॉल्वर गैंग के एक सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार व्यक्ति धोबवल गांव निवासी बिनोद सिंह बताए गए थे। हालांकि इनके दो अन्य सहयोगी साथी प्रिंस सिंह व सुमन राय की तलाश में है। हालांकि फिलहाल अभी फरार बताए जा रहे है।

इलेक्ट्रोनिक्स डिवाइस हुआ बरामद

पुलिस का कहना है कि सारण जिले में सॉल्वर गैंग सक्रिय रूप से कार्य कर रहा हैं। इसी कड़ी में गुप्त सूचना के आधार पर खैरा थाना क्षेत्र के धोबवल गांव से एक दिन पहले बिनोद सिंह को गिरफ्तार किया गया है। लेकिन इसके आलावा तीन दिन पूर्व भगवान बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत सॉल्वर गैंग के तीन सदस्यों को सारण पुलिस ने गिरफ्तार किया था। खैरा थाना क्षेत्र के धोबवल गांव से गिरफ्तार बिनोद सिंह और फरार प्रिंस सिंह के घर से कई अभ्यर्थियों का ओरिजनल शैक्षणिक प्रमाण पत्र, ब्लैंक चेक, ब्लुटूथ और एक की- पैड मोबाइल को भी पुलिस ने बरामद किया हैं। अभ्यर्थियों का हस्ताक्षर किया हुआ चेक भी मिला है। जिसको लेकर पूछताछ की गई है। पुलिस का कहना हैं कि दोनों गैंग अलग - अलग है या एक साथ काम किया जा रहा था। वही पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नगरा थाना क्षेत्र के बन्नी गांव और मढ़ौरा थाना क्षेत्र के बहुआरापट्टी गांव में छापेमारी कर तीन नए युवकों को हिरासत में लिया है जिससे सघन पूछताछ करने के बाद छपरा जेल भेज दिया गया है। नगरा थाना क्षेत्र के बन्नी गांव से हिरासत में लिए युवक का नाम अशोक मिश्रा का पुत्र रजनीश मिश्रा और रणधीर मिश्रा बताया जा रहा है। दोनों रिश्ते में सगे भाई है। जबकि इन लोगो के निशानदेही पर मढ़ौरा थाना क्षेत्र के बहुआरा पट्टी गांव से एक युवक को गिरफ्तार किया गया है।

भाभी से 8 साल पहले की थी शादी फिर चला गया नेपाल

वापस लौटा तो अब देवर को मिली ऐसी 'सजा'

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

भाई की मौत और विधवा भाभी से शादी करना एक शख्स के लिए काफी महंगा पड़ा गया, इतना कि उसे इसकी कीमत अपनी जान से चुकानी पड़ी. ये घटना बिहार के वैशाली जिले की है. हैरान करने वाली बात ये है कि शख्स को मारने वाले उसके अपने ही घरवाले हैं, जिन्होंने शख्स की बेरहमी से हत्या करके उसे बागीचे में फेंक दिया. शख्स के शव की सूचना जब युवक के घरवालों को मिली तो वो सभी तुरंत बेटी के घर जा पहुंचे और पुलिस को घटना के बारे में बताया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है और हत्या के पीछे की असली वजह का पता लगाने में जुटी हुई है. मृतक के घरवालों का कहना है कि उसने खुद से फांसी लगाकर अपनी जान ली है, जबकि ससुरालवालों का आरोप है कि मृतक के घरवालों ने ही उसकी हत्या करके शव को बागीचे में फेंक दिया.

8 साल पहले हुई थी शादी

विधवा भाभी से शादी करने वाले छोटे देवर को मौत की सजा मिली है.हत्यारा कोई और नहीं है बल्कि लड़के के परिवार वाले ही हैं. घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी के घरवालों ने शव को चादर में लपेट कर घर से तकरीबन 500 मीटर दूर बगीचे में फेंक दिया था. घटना वैशाली जिले के बेलसर थाना के साइन गांव की है. मृतक साईन गांव का रहने वाला था. उसका नाम राम कुमार महतो है. राम की शादी मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी के किशुनपुर मोहनी गांव में हुई थी. राजकिशोर सिंह ने अपनी बेटी नीतू की शादी 8 साल पहले राम से की थी. मृतक के साले विकास कुमार ने बताया कि बहनोई की सड़क हादसे में 10 साल पहले मौत हो गई थी. भाई के मौत के बाद राम ने अपनी विधवा भाभी से शादी कर ली थी.

घरवाले शादी के खिलाफ थे

पति की मौत के बाद नीतू के पास इतना बड़ा जीवन बिताने के लिए कोई जीवनसाथी नहीं था. दो साल वो ससुराल में ही रही. ऐसे में राम ने ही अपनी भाभी से शादी कर ली, लेकिन राम और नीतू की शादी से राम के घरवाले खुश नहीं थे. घरवाले बात-बात पर दोनों को ताने देते रहते और परेशान करने की कोई कसर नहीं छोड़ते थे. पति-पत्नी के साथ घर वाले मारपीट भी किया करते थे. घरवालों की प्रताड़ना से तंग आकर राम ने पत्नी को मायके में रहने के लिए भेज दिया और खुद नेपाल में मजदूरी करने चला गया था.

दो दिन पहले आया था घर

घटना के दो दिन पहले राम अपने घर आया था. मृतक और उसके घरवालों के बीच किसी बात को लेकर जमकर झगड़ा हुआ. राम के ससुरालवालों का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है. पुलिस इस मामले में जांच कर रही है. मृतक के घरवालों ने बताया कि वह ससुराल में ही रहता था. उसने स्वंय फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. इस संबंध में थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि हत्या है या आत्महत्या इसकी जांच की जा रही हैं.

कूदने लगे यात्री; 12 घायल, जानें सच्चाई

पटना आ रही ट्रेन में आग की अफवाह से अफरा तफरी

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पंजाब के अमृतसर से बिहार की राजधानी पटना के रास्ते हावड़ा जाने वाली पंजाब मेल में रविवार को आग लगने की अफवाह से अफरा तफरी मच गई। लोग चलती ट्रेन से कूदने लगे। बिलपुर और मीरानपुर कटरा के बीच जनरल कोच में किसी ने आग लगने की अफवाह फैला दी थी। घटना में 12 यात्री घायल हो गए, जिनमें से छह को गंभीर चोटें लगी हैं। घटना के कारण पंजाब मेल एक्सप्रेस पौने घंटे तक मौके पर खड़ी रही। पूरी ट्रेन की तलाशी की गई उसके बाद आगे बढाया गया। जब गाड़ी खुली तब जाकर यात्रियों ने राहत की सांस ली।

पंजाब मेल रविवार सुबह 7. 05 बजे बरेली जंक्शन से शाहजहांपुर की ओर रवाना हुई। बिलपुर और मीरानपुर कटरा स्टेशन के बीच करीब 8.30 बजे जनरल कोच में लगा अग्निशमन यंत्र अचानक से जमीन पर गिर गया , जिससे सिलेंडर से गैस निकलने लगी। पूरे कोच में सफेद धुआं छा गया। इसी बीच किसी यात्री ने कोच में आग लगने की अफवाह फैला दी, जिससे 12 से अधिक यात्री चलती ट्रेन से कूद गए।

इधर ट्रेन में पूरी तरह से खलबली मची रही। यात्री डर गए और शोर मचाने लगे। इस बीच एक यात्री ने चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोका। करीब 200 मीटर दूर आगे जाकर ट्रेन रुक गई। ट्रेन में सवार सुरक्षा बल के कर्मी उस डिब्बे में पहुंचे। उसके बाद ड्राइवर और गार्ड को चेन पुलिंग का कारण बताते हुए हालात से अवगत कराया। मौके पर पहुंचे कर्मियों ने अग्निशम सिलेंडर को ठीक किया। इस बीच ट्रेन से कूदने के दौरान कई यात्री घायल हो गए। रेलकर्मियो घायल यात्रियों को शाहजहांपुर में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि सिलेंडर के लीक होने और ट्रेन में सुरक्षा व्यवस्था की जांच की जा रही है। कहा जा रहा है कि अगर इसमें कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ रेलवे कार्रवाई करेगा।

आरा में बाढ़ के पानी में डूबने से 3 लोगों की मौत

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

भोजपुर। भोजपुर जिले के नगर थाना क्षेत्र के मझौआ हवाई अड्डा के पास पानी में डूबने से तीन छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई. यह घटना तब हुई जब तीनों छात्र वहां ट्यूब लेकर पानी में घूम रहे थे. अचानक उनका एक दोस्त डूबने लगा जिसको बचाने के प्रयास में दो और छात्र डूब गए और तीनों की दर्दनाक मौत हो गई. घटना को लेकर पूरे इलाके में सनसनी मच गई और काफी देर तक अफरातफरी का माहौल बना गया.बताया जा रहा है कि थोड़ी देर में ही स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना प्रशासन को दी.

इसके बाद तीनों के शव को आरा सदर अस्पताल ले जाया गया. मृतकों में अनिकेश कुमार (पिता बासुकीनाथ पांडे) मूल रूप से कृष्णानगर थाना क्षेत्र के पीपर पाती गांव के निवासी थे, लेकिन वर्तमान में मझौआ देवनगर में रह रहे थें. वहीं दूसरे छात्र की पहचान शुभम कुमार (पिता-समंद्र सिंह) ग्राम गंगहर थाना मुफस्सिल के निवासी के रूप में हुई है, जो वर्तमान में घर बनाकर देवनगर मझौआ में रहते थें.

वहीं तीसरा छात्र अतुल कुमार शुक्ला (पिता- अरविंद शुक्ला) देवनगर मझौवा का निवासी बताया जा रहा है

बागमती नदी में डूबी नाव, 12 लोग डूबे , 2 अब भी लापता

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

खगड़िया, खगड़िया से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां मानसी थाना क्षेत्र के खिरनिया गांव के पास बागमती नदी के उपधार में एक छोटी नाव डूब गई. बताया जा रहा है कि बागमती नदी के उपधार में नाव अचानक अनियंत्रित हो गया, जिसके कारण नाव पर सवार सभी 12 लोग नदी में डूब गए. लेकिन, 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. लेकिन, 2 लोगों के लापता होने की बात बताई जा रही है. दूसरे नाव से सभी लोगों को नदी से सुरक्षित बाहर लाया गया.बताया जा रहा है की सभी लोग नाव पर सबार होकर परवल तोड़ने के लिए दियारा इलाके में जा रहे थे इसी दौरान नाव डूब गई. डूबे हुए 2 लोगों की खोजबीन स्थानीय लोगो द्वारा की जा रही है.

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच चुकी है.

एयरफोर्स से रिटायर डॉक्टर ने जान दी

बेटा बोला- अम्मी की काली करतूत से डिप्रेशन में थे अब्बू

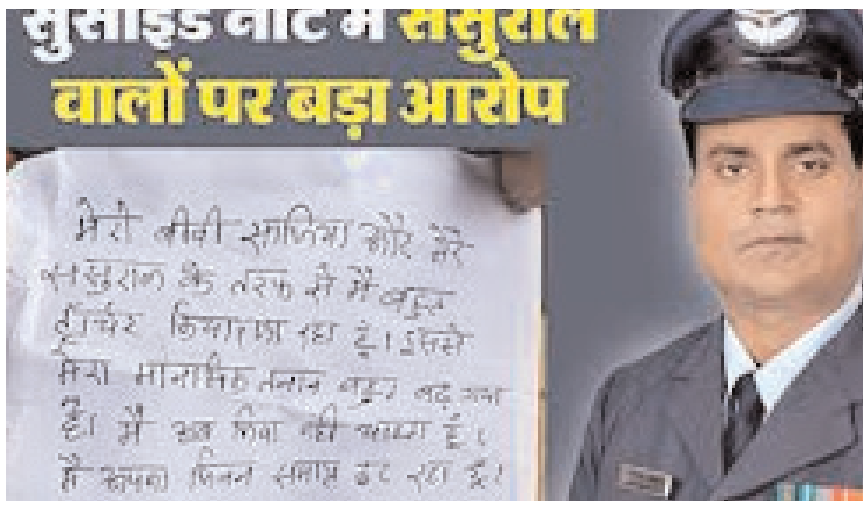

पूर्वी चंपारण के रक्सौल में भारतीय वायुसेना के सेवानिवृत हो चुके डॉक्टर मोहम्मद शाह ने अपनी जान दे दी। उनके कमरे में पंखे से लटकती हुई उनकी लाश मिली है। पुलिस को डॉक्टर की जेब से एक नोट भी मिला है। इसमें उन्होंने जो आरोप लगाया है, वह चौंकाने वाला है। डॉ. शाह ने मरने से पहले लिखा कि बीबी और ससुराल वालों से तंग हैं और अब जीना नहीं चाहते। इधर, घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आरोपियों की पूछताछ की कोशिश में है। इधर, डॉ. शाह 14 वर्षीय पुत्र ने बताया कि उसकी अम्मी और अब्बू के बीच कोर्ट में मुकदमा चल रहा था। इसमें अब्बू की जीत हुई थी। अम्मी के काली करतूतों के कारण अब्बू काफी डिप्रेशन में रहते थे।

पत्नी छोड़कर चली गई थी

बताया जा रहा है कि रक्सौल थाना क्षेत्र लक्ष्मीपुर निवासी डॉ. मोहम्मद शाह इसी साल जनवरी माह में एयरफोर्स से सेवानिवृत हुए थे। इसके बाद उन्होंने अपने गांव लक्ष्मीपुर में ही एक दवा की दुकान खोला था।

और, अपने दो बच्चों के साथ रहते थे। डॉ. शाह का संबंध उनकी पत्नी के साथ अच्छा नहीं था और वह इन्हें छोड़ चुकी थी। इससे मोहम्मद शाह का जीवन अशांत चल रहा था। वह घर पर अपने दो बच्चों के साथ रहते थे। परिजनों का कहना है कि पत्नी के कारण डॉ. शाह काफी तनाव में रहते थे। पत्नी के जाने का गम वह झेल नहीं पाए और पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। परिवार के लोगों ने इनको कमरे के पंखे से लटकते हुए देखकर कर हल्ला किया और भारी संख्या मे स्थानीय लोग एकत्र हो गए। इसकी सूचना पुलिस को दी गयी।

साफिया और ससुराल वाले टॉर्चर करते थे

थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा ने बताया कि मृतक के पॉकेट से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें इस बात का जिक्र है कि वह अपनी पत्नी साफिया और ससुराल वालों के तरफ से काफी टॉर्चर हो रहे हैं। इससे उनका मानसिक तनाव काफी बढ़ गया है, अब वे जीना नहीं चाहते। वहीं लोगों ने बताया कि मृतक की पत्नी डॉ. शाह के नौकरी के दौरान ही उनकी पत्नी किसी गैर मर्द के साथ भाग गई। न्यायालय मे मुकदमा भी चला।

इसके बाद से लगातार पत्नी लगातार पैसे को लेकर डॉ. शाह पर दबाव बनाने लगी। इससे प्रताड़ित होकर उन्होंने आत्महत्या कर ली।